न्यायालय तहसीलदार गुडामालानी जिला बाडमेर

प्रकरण संख्या 18 /2017

प्रार्थी बनाम अप्रार्थी

राजस्थान सरकार जरिये

श्री दजा पुत्र छगना
कौम. रा० राजपूत
ग्राम- भाखा की ढाणी
तह० - गुडामालानी
दिनांक - 28.08.17

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 91 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956

उपस्थित :- 1. पटवारी हलका भाखरपुरा

2. अप्रार्थी श्री दजा

निर्णय

प्रकरण से संक्षिप्त में तथ्य निम्न प्रकार हैं । पटवारी हलका भाखरपुरा ने न्यायालय नायब तहसीलदार गुडामालानी को प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया हैं कि अप्रार्थी /~~अप्रार्थीगण~~ ने सरहद मौजा भाखा की ढाणी सरकारी भूमि ख.नं. 759/491 कुल रकबा 142.15 किस्म गै. मु. गोचर मेंसे ...... 1.14 बीघा भूमि पर बाड़ बनाकर अनाधिकृत कब्जा किया हैं , अतः इन्हें बेदखल किया जावे । अतः प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी /अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया ।अप्रार्थी से नोटिस तामिल होकर आया , जिसे शामिल पत्रावली किया गया । सर्कल परिवर्तन होने से पत्रावली न्यायालय नायब तहसीलदार गुडामालानी से स्थान्तरित होकर इस न्यायालय के प्राप्त हुई हैं । प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर प्रार्थी /विप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया।

नियत तारीख पेशी दिनांक 28.08.17 को प्रार्थी पटवारी हलका तथा अप्रार्थी /अप्रार्थीगण उपस्थित , अप्रार्थी /~~अप्रार्थीगण~~ ने जबाब पेश नहीं किया तथा जबाब पेश नहीं करना चाहता, उक्त भूमि पर अपना अतिक्रमण स्वीकार किया , अतः अप्रार्थी /~~अप्रार्थीगण~~ की शहादत बन्द की जाती हैं ।

प्रार्थी पटवारी हलका ने अप्राथी /अप्रार्थीगण को बेदखल करने तथा दंडित करने का निवेदन किया

हमने पत्रावली का अध्ययन तथा अवलोकन किया । उक्त ... अप्रार्थी /~~अप्रार्थीगण~~ के अतिकमण की पुष्टि होती हैं अतः अप्रार्थी /अप्रार्थीगण को उक्त भूमि का अतिक्रमी घोषित किया जाता हैं तथा राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अप्रार्थी /~~अप्रार्थीगण~~ को उक्त भूमि से बेदखल करने के आदेश दिये जाते हैं । यदि मौके पर फसल खडी हो तो नष्ट कर दी जावे। लगान 2.33 रूपये का बीस गुना 47.00 अक्षरे रूपये

Signature Not Verified
Digitally signed by Kaushlya
Date: 2024.08.23 11:58:42 IST
Reason: SelfAttested

सैंतालीस रुपये शास्ति जुर्माना आरोपित की जाती हैं , जो वसूल हो । जुर्माना मांग कायमी हेतु तहसील राजस्व लेखाकार तथा जुर्माना वसूली तथा बेदखली हेतु पटवारी हलका सूचित हो ।

निर्णय दिनाक 26.08.17 को खुले न्यायालय में सुनाया गया , पत्रांवली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो । बाद तामिल दफतर दाखिल हो ।

(जोधसिंह)

तहसीलदार गुडामालानी

Signature Not Verified

Digitally signed by Kaushlya
Date: 2024.08.23 11:58:42 IST
Reason: SelfAttested